पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-४५ सोमवार, २९ जून २००९ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

इंदौर,मुंबई से एक साथ प्रकाशित

फिजूलखर्ची शिवराज सरकार!

जहां एक ओर मध्य प्रदेश सरकार आर्थिक बदहाली का रोना रो रही है, वहीं दूसरी ओर सूबे के निजाम और उनके सहयोगी हवाई यात्रा पर करोड़ों रुपए फूंक रही है। जी हां यह सच्चाई है जनाब। 2006 से इस साल फरवरी तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 770 घंटे हवा में रहकर दो करोड़ 63 लाख रूपए खर्च किए। जगदीश देवड़ा 3 घंटे, नारायण सिंह कुशवाह 16, हिम्मत कोठारी 11, रामपाल सिंह और जगन्नाथ सिंह 8 - 8, विजय शाह 06, मोती कश्यप और रंजना बघेल ने 5 - 5, तो पारस जैन और अखंड प्रताप सिंह ने 4, 4 घंटे हवा में रहकर कुल पोने तेरह करोड़ की चपत मध्य प्रदेश के खजाने को लगाई है। यह तो वही बात हुई कि जिस तरह सूखा ग्रस्त घोषित सिवनी जिले के जिला मुख्यालय में फव्वारों से पानी उगला जा रहा है, उसी तरह आर्थिक तंगी में सूबे की सरकार हवा में उड़कर गरीबों का खून पसीने का पैसा हवा में उड़ा रही है।

बदलाव की बयार

मध्यप्रदेश में बदलाव की बयार शुरू हो गई है. पहली बार एक साथ तीन संवैधानिक पदों पर बदलाव किया गया है. प्रदेश के राज्यपाल, महाधिवक्ता और लोकायुक्त को बदल दिया गया है. अभी तक राज्यपाल पद पर बलराम जाखड़, महाधिवक्ता पद पर रविनंदन सिंह और लोकायुक्त पद पर रिपुसुदन दयाल पदस्थ थे. इन तीनों का कार्यकाल यद्यपि 30 जून को खत्म हो रहा था, और इनके पद पर इनकी वापसी या अन्य की ताजपोशी तय थी, फिर भी जिस तरह से बदलाव किया गया है उसने प्रदेश में कुछ कड़वाहट तो घोली ही है. इन तीनों संवैधानिक पदों में से राज्य पाल की केन्द्र सरकार ने नियुक्ति करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल का तबादला मध्यप्रदेश के राजभवन में किया है, जबकि रविनंदन सिंह की जगह आरडी जैन एवं रिपुसुदन दयाल की जगह जस्टिस पी.पी. नावलेकर को प्रदेश सरकार ने नियुक्ति देकर कई संदेश एक साथ देने की कोशिश की है.

बलराम जाखड़ का म.प्र. में राज्यपाल के रूप में कार्यकाल साफ सुथरा रहा है. भाई महावीर की तरह जाखड़ ने सरकार से अलग विचाराधारा होने के बावजूद कोई अप्रिय विवाद नहीं किया सरकार के कुछ कामकाज पर उन्होंने अपनी आपत्ति जरूर दर्ज कराई मगर सीधे सरकार से टकराव मोल नहीं लिया. इन सबके चलते समझा जा रहा था कि म.प्र. में जाखड़ को ही फिर से राज्यपाल बना दिया जाएगा. लेकिन केन्द्र सरकार ने एक झटके में ही इन कयास को तोड़ डाला और म.प्र. के राज्यपाल के रूप में बिहार के कांग्रेस नेता रामेश्वर ठाकुर को म.प्र. का राज्यपाल बना डाला. हालांकि केन्द्र सरकार ने यह नियुक्ति उनके बचे कार्यकाल सितंबर तक के लिये ही की है. लेकिन जाखड़ के लिये यह कोई शुरू सूचना नहीं है. क्योंकि सरकार ने उन्हें अन्य कोई जिम्मा भी फिलहाल नहीं सौंपा है. अब इस अस्थायी नियुक्ति से कई तरह के कयास लगाए जाने लगे हैं.

लोकायुक्त और म.प्र. के महाधिवक्ता की बिदाई जहां बड़े ही अप्रिय तरीके से हुई है. वहीं पूरे कार्यकाश के दौरान लोकायुक्त रिपुसूदन दयाल एवं महाधिवक्ता रविनंदन सिंह के बीच चले शीत युद्ध ने इन दोनों बड़े संवैधानिक पदों की गरिमा को गिराया ही है. रविनंदन सिंह का कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है, अपने कार्यकाल की पूर्व संध्या पर 25 जून को उन्होंने सरकार के मुख्य सचिव राकेश साहनी और लोकायुक्त रिपुसूदन दयाल पर जिस तरह के आरोप लगाकर अपना इस्तीफा दिया था, उसने दोनों ही पदों पर बैठे व्यक्तियों से ज्यादा इन पदों को कलंकित किया है. इससे पूर्व प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता चम्पालाल यादव ने भी इस्तीफा देते हुए अपनी ही पाटी की सरकार और मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए थे.

शेष अंतिम पेज पर .....

गुम हुए गीत

जीवन भर विवादों के घेरे में रहने वाले माइकल ने संगीत के क्षेत्र में सफलता व शैली के नए मंत्र दिए। 11 साल की उम्र से गाना गाने वाले इस अश्वेत गायक ने उम्र के हर पड़ाव में अपने भेष बदले। कभी सांवला कभी गोरा और कभी दोहरी नाक लिए स्टेज पर आता तो मौजूद हर व्यक्ति के पैर थिरकने लग जाते। हाथ ऊंचे कर ताली पीटते लोगों ने इस गायक के हाथों में हथकड़ी भी देखी। 11 वर्षीय जॉर्डी चैंडलर ने माइकल पर यौन शोषण का आरोप लगाया। आरोपों पर इंकार और बाद में अदालत के बाहर चैंडलर परिवार से उनका दो करोड़ अमेरिकी डॉलर में

उत्तम झंवर

समझौता। फिर 2003 में 14 साल के गेविन अरविजो के साथ दुर्व्यवहार का आरोप उन पर लगा। माइकल ने आत्मसमर्पण भी किया, पुलिस ने हथकड़ियां लगाकर उनकी गिरफ्तारी की। पांच माह की अदालती कार्रवाही ने उन्हें निर्दोष तो साबित करवा दिया लेकिन इस कारण उनकी माली हालत बहुत ही खराब हो गई। माइकल की शादी भी परिस्थितियों का ही नतीजा थी। खुद को सही साबित करने के लिए एल्विस की बेटी लिसा मैरी प्रिसले से शादी की, परन्तु 19 माह से ज्यादा चला नहीं पाए। फिर नर्स डेबी रोव से शादी और बच्चे - माइकल जोसफ जैक्सन, प्रिंस माइकल-टू और माइकल कैथरिन। डेबी से भी विवाह विच्छेद हो गया। अपने बच्चे को खिड़की से लटकाने जैसा कड़ा मजाक करने वाले माइकल ने ओपेरा के शो में अपने पिता की ज्यादतियों की बात भी कही।

फिर भी जीवनभर जिप्सियों का संगीत बुनने वाला यह व्यक्ति कुछ अनकहे बोल छोड़ गया। जाने कौन उन्हें फिर कभी गुनगुना पाएगा या नहीं।

पॉप के सरताज माइकल अलविदा

लॉस एंजेलिस । पॉप संगीत के सरताज माइकल जैक्सन का दिल का दौरा पड़ने से गुरुवार को निधन हो गया। वह 50 वर्ष के थे। जैक्सन को दिल का जबरदस्त दौरा पड़ने के बाद लॉस एंजेलिस के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित किया गया।

लास एंजेलिस के कोरोनल फ्रेड कोरेल ने बताया कि उनके मौत के कारण का अभी पता नहीं लगा है और उनके शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। लॉस एंजेलिस टाइम्स और टीएमजेड एंटरटेनमेंट वेबसाइट ने पहले उनके आकस्मिक निधन की खबर दी थी। उन्होंने बताया था कि माइकल जैक्सन घर में अस्वस्थ हो गए थे। अर्ध चिकित्साकर्मियों ने घर पहुंचने पर पाया कि वह सांस नहीं ले पा रहे हैं तो उन्होंने अस्पताल में उन्हें पहुंचाया। टीएमजेड ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि जैक्सन को उनके होलंबी हिल्स स्थित आवास में गुरवार दोपहर दिल का दौरा पड़ा, लेकिन अर्ध चिकित्साकर्मी उन्हें बचा पाने में नाकाम रहे।वेबसाइट ने कहा कि हमें बताया गया कि जब अर्ध चिकित्साकर्मी जैक्सन के घर पर पहुंचे तो पाया कि उनकी धड़कन नहीं चल रही है। लॉस एंजेलिस टाइम्स ने बताया कि अर्ध चिकित्साकर्मियों ने जैक्सन को यूसीएलए चिकित्सा केंद्र अस्पताल ले जाने से पहले घर पर उनका प्राथमिक उपचार किया था।

शेष अंतिम पेज पर .....